विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – सप्तम दिनांक -18 - 08 - 2021

विषय -हिन्दी विषय शिक्षक - पंकज कुमार

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज समास के बारे में पुनः अध्ययन करेंगे

समास की परिभाषा

समास का मतलब है संक्षिप्तीकरण। दो या दो से अधिक शब्द मिलकर एक नया एवं सार्थक शब्द की रचना करते हैं। यह नया शब्द ही समास कहलाता है।

यानी कम से कम शब्दों में अधिक से अधिक अर्थ को प्रकट किया जा सके वही समास होता है। जैसे:

समास के उदाहरण :

1. कमल के सामान चरण : चरणकमल
2. रसोई के लिए घर : रसोईघर
3. घोड़े पर सवार : घुड़सवार

- सामासिक शब्द या समस्तपद : जो शब्द समास के नियमों से बनता है वह सामासिक शब्द या समस्तपद कहलाता है।
- पूर्वपद एवं उत्तरपद : सामासिक शब्द के पहले पद को पूर्व पद कहते हैं एवं दुसरे या आखिरी पद को उत्तर पद कहते हैं।

समास के भेद

समास के छः भेद होते है :

1. तत्पुरुष समास
2. अव्ययीभाव समास
3. कर्मधारय समास

4. **द्विगु समास**
5. **द्वंद्व समास**
6. **बहुव्रीहि समास**

1. तत्पुरुष समास :

जिस समास में उत्तरपद प्रधान होता है एवं पूर्वपद गौण होता है वह समास तत्पुरुष समास कहलाता है। जैसे:

- **धर्म का ग्रन्थ : धर्मग्रन्थ**
- **राजा का कुमार : राजकुमार**
- **तुलसीदासकृत : तुलसीदास द्वारा कृत**

तत्पुरुष समास के प्रकार :

1. **कर्म तत्पुरुष : 'को' के लोप से यह समास बनता है। जैसे: ग्रंथकार : ग्रन्थ को लिखने वाला**
2. **करण तत्पुरुष : 'से' और 'के द्वारा' के लोप से यह समास बनता है। जैसे: वाल्मिकिरचित : वाल्मीकि के द्वारा रचित**
3. **सम्प्रदान तत्पुरुष : 'के लिए' का लोप होने से यह समास बनता है। जैसे: सत्याग्रह : सत्य के लिए आग्रह**
4. **अपादान तत्पुरुष : 'से' का लोप होने से यह समास बनता है। जैसे: पथभ्रष्ट: पथ से भ्रष्ट**
5. **सम्बन्ध तत्पुरुष : 'का', 'के', 'की' आदि का लोप होने से यह समास बनता है। जैसे: राजसभा : राजा की सभा**
6. **अधिकरण तत्पुरुष : 'में' और 'पर' का लोप होने से यह समास बनता है। जैसे: जलसमाधि : जल में समाधि**

गृहकार्य

- **समास उदाहरण के साथ लिखकर याद करें**